Dr. Jitendra Kumar
Guest Teacher
Dept of Sociology
J.K. College, Biraul

सामाजिक सर्वेक्षण की सीमायें

B.A. II (Hons)

सामाजिक सर्वेक्षण की सीमायें निम्नलिखित है।–

1. सामाजिक सर्वेक्षण के अन्तर्गत अध्ययन की जाने वाली समस्याओं तथा घटनाओं का क्षेत्र बहुत सीमित होता है।

2. सामाजिक सर्वेक्षण के द्वारा मात्र उन्हीं घटनाओं का अध्ययन सम्भव है जो मूर्त अथवा स्थूल प्रकृति की हो।

3. सामाजिक सर्वेक्षण द्वारा एकत्रित तथ्य सदैव विश्वसनीय नहीं होते। इसका कारण यह है कि सर्वेक्षण ज्यादातर अपने विचारों, अनुभवों और व्यक्तिगत पक्षपात से प्रभावित होकर घटना को वास्तविक रूप में नहीं देखता बल्कि मनमाने रूप से प्रस्तुत कर देता है।

4. सर्वेक्षण द्वारा केवल वर्तमान सामाजिक घटनाओं अथवा समस्याओं का ही अध्ययन किया जा सकता है।

5. सामाजिक सर्वेक्षण में अधिक समय लगने के साथ ही यह बहुत व्ययपूर्ण भी होता है।

6. सामाजिक सर्वेक्षण एक सहकारी प्रयत्न है जिसमें अनेक कार्यकर्ताओं की आवश्यकता होती है। सर्वेक्षण को केवल तभी सफल बनाया जा सकता है जब इससे सम्बन्धित कार्यकर्ता प्रशिक्षित हो।

7. सर्वेक्षण से सम्बन्धित अधिकांश अध्ययन पूर्व नियोजित नहीं होते परिणाम स्वरूप इनके आधार पर किये गये निष्कर्षों से सिद्धान्तों का निर्माण नहीं हो पाता।

उपर्युक्त विवेचन से यह स्पष्ट होता है कि सामाजिक सर्वेक्षण की अपनी अनेक सीमायें है अतः सर्वेक्षण के लिये सर्वेक्षणकर्ता को बहुत ही सावधानीपूर्वक उपयोग करना चाहिए। सर्वेक्षण की सफलता बहुत बड़ी सीमा तक सर्वेक्षणकर्ता के वैयक्तिक गुणों पर निर्भर करती है।

Scanned by CamScanner